वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 29 | शनिवार 24 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आईडब्ल्यूएन राजस्थान वुमन लीडरशिप समिट में पहुंची दीया कुमारी: कहा...

महिलाओं को एक भाषा में, एक स्वर में और एक उद्देश्य के लिए बोलना चाहिए

दीया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महिला सशक्तिकरण की पहलों की सराहना की, जैसे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे समाज में बदलाव की प्रेरक शक्ति बनें और वंचित वर्ग की महिलाओं को सरकारी योजनाओं और नीतियों का लाभ दिलाने में मदद करें।

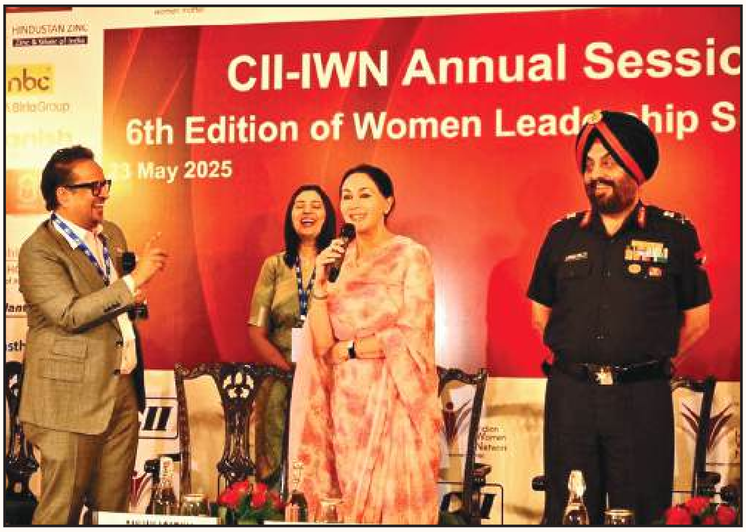

जयपुर. कासं

दुनिया भर में महिलाओं को एक जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यदि महिलाएं एकजुट होकर, एक स्वर और एक भाषा में बोलें, तो कोई भी ताकत उन्हें किसी भी क्षेत्र में अपने लक्ष्य हासिल करने से नहीं रोक सकती। यह बात राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने जयपुर में आयोजित आईडब्ल्यूएन राजस्थान वुमन लीडरशिप समिट 2025 के छठे संस्करण के दौरान 'सेलिब्रेटिंग ट्रांसफॉर्मेटिव लीडरशिप' थीम पर एक सत्र में विशेष संबोधन के दौरान कही। समिट का आयोजन कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) - इंडियन वुमन नेटवर्क (आईडब्ल्यूएन), राजस्थान चैप्टर द्वारा किया गया था। दीया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महिला सशक्तिकरण की पहलों की सराहना की, जैसे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और संसद में महिलाओं को 33% आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे समाज में बदलाव की प्रेरक शक्ति बनें और वंचित वर्ग की महिलाओं को सरकारी योजनाओं और नीतियों का लाभ दिलाने में मदद करें। उप मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के प्रयासों के लिए अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने निजी अनुभव साझा करते हुए कहा कि एक सैन्य परिवार की बेटी होने के नाते, वह सेना के बलिदान और सेवा भाव को अच्छे से समझती हैं। इसके साथ ही, उन्होंने राजस्थान के विकास में कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और सीआईआई की सक्रिय भागीदारी के साथ राइजिंग राजस्थान पहल को विकास का एक सफल मॉडल बताया। एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिण-पश्चिमी कमान, लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों में महिलाओं की अहम भूमिका पर जोर दिया, खासकर हाल ही के ऑपरेशन सिंदूर में उनके नेतृत्व को उजागर करते हुए। विशेष रूप से, भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने इस ऑपरेशन की आधिकारिक ब्रीफिंग का नेतृत्व किया, जो भारत की सैन्य संचार इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उनका नेतृत्व न केवल भारत की सैन्य ताकत को दशार्ता है, बल्कि रक्षा क्षेत्र में लिंग समानता के प्रति देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है, जो यूनिफॉर्म में आने वाली पीढ़ी की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। सीआईआई राजस्थान के चेयरमैन और संस्थापक प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, संजय अग्रवाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बैंकिंग सेक्टर महिलाओं को समर्थन देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सुविधाजनक कार्य वातावरण, नियत कार्य समय, मातृत्व अवकाश सहित अन्य लाभ कार्यस्थल पर महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी में योगदान करते हैं। पुलिस महानिरीक्षक, क्राइम ब्रांच, राजस्थान सरकार, परम ज्योति ने आईपीएस अधिकारी बनने की अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा की, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने पारंपरिक रूप से पुरुष प्रधान क्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना कर सफलता हासिल की। उन्होंने इस पर प्रकाश डाला कि आईपीएस परीक्षा पास करने में महिलाओं को कोई विशेष सुविधा नहीं मिलती। सभी को समान मेहनत और समर्पण से आगे बढ़ना होता है। ऑपरेशन ब्लूस्टार से संबंधित अंतर्दृष्टि सहित अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने संघर्ष, आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय की अहमियत पर जोर दिया। प्रबंध निदेशक, राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन, IAS नेहा गिरी ने अपने धौलपुर कलेक्टर पद के दौरान छुआछूत खत्म करने के अपने प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने याद करते हुए बताया कैसे उन्होंने कार्यस्थल पर एक दलित महिला द्वारा दिया गया पानी पीकर जातिगत बाधाओं को तोड़ा। उन्होंने समाज में सोच बदलने की जरूरी आवश्यकता पर जोर दिया, जिसमें पुरुष घर के काम में बराबर की जिम्मेदारी लें और बच्चों को छोटी उम्र से ही समानता और समावेशन का महत्व समझाया जाए। अतिरिक्त आयुक्त, आयकर विभाग, भारत सरकार, डॉ. मोनीषा सामरिया ने सार्वजनिक सेवा में अपने सफर के बारे में बात करते हुए कहा कि यह समाज को कुछ लौटाने का उनका एक जागरूक प्रयास है। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता बेहद जरूरी है, जिसे उन्होंने सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति का एक अहम स्तंभ बताया।

निवाई में राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र पांडया का एक दिवसीय दौरा 27 को

दिगम्बर जैन महासमिति संभाग एवं महिला ईकाई के शिक्षण शिविर के समापन समारोह में भाग लेने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में निवाई आएंगे

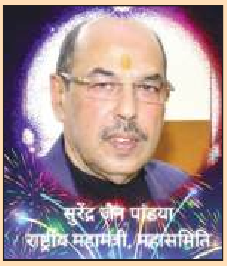

निवाई. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति संभाग स्तरीय एवं महिला ईकाई निवाई के तत्वावधान में 27 मई को सांयकाल धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का समापन समारोह आयोजित होगा। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि समापन समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र जैन पांडया एक दिवसीय दौरे के दौरान निवाई आयेंगे। विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि उनकी टीम में राजस्थान महासमिति अध्यक्ष अनिल जैन आई पी एस, राजस्थान महामंत्री महावीर प्रसाद बाकलीवाल, अंचल महिला अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायका, मंत्री सुनीता गंगवाल, शिक्षण शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में निवाई आयेंगे। जौंला ने बताया कि उनके स्वागत की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही है।

जैन धर्म में सम्यक दर्शन के विपरीत दृष्टिकोण को कहा है मिथ्यात्व

शिविरार्थी धर्म के साथ सीख रहे वज्र पंचक, स्वर विज्ञान व समझ रहे कथाओं से मोरल

परीक्षाएं 27 मई को सभी स्थानों पर शाम को होगी

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर में सिद्धांत प्रवेशिका का अध्ययन कराते हुए विदुषियों ने बताया की जैन धर्म में मिथ्यात्व एक नकारात्मक अवधारणा है जो अज्ञान, गलत विश्वास, या भ्रमात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है। यह सही विश्वास और ज्ञान प्राप्त करने में बाधा डालता है। मिथ्यात्व को सही दृष्टिकोण (सम्यकदर्शन) के विपरीत माना जाता है, जो जैन धर्म के प्रमुख सिद्धांतों में से एक है। जनकपुरी में बच्चों को खेल व गीत के माध्यम से मिथ्यात्व के एकांत, विपरीत, संशय, वैनायिक, और अज्ञान भेद को समझाया गया। इधर बरकत नगर में विद्यार्थियों को वज्र पंचक, (नमोकार मंत्र) से सुरक्षा करना, स्वर विज्ञान का ज्ञान, श्वासो श्वास नमोकार मंत्र पढ़ने का अभ्यास करया गया। शक्ति नगर में बच्चों में मोबाइल के प्रति जागरूकता देखने को मिली वहाँ बच्चों ने चार घंटे का नियम लिया। सेठी कालोनी में बया का घोंसला व परिण्डे वितरित कराए गए। कई स्थान पर पूजन सिखायी जा रही है। कई जगह लघु कथाए लिखा कर उनका मोरल समझाया जा रहा है। कुछ स्थानों पर स्वास्थ्य टिप्स व योग बताया। थड़ी मार्केट में शिविरार्थियों ने शुक्रवार को प्रात उपाध्याय श्री 108 वृषभा नन्द जी मुनिराज ससंघ (दस पिच्छी)की अगवानी कर स्वागत किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। अधिष्ठात्री शिला ड्योडा से प्राप्त जानकारी अनुसार 27 मई को होने वाली परीक्षाएं सभी स्थानों पर शाम को होगी।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा वाटर कूलर विथ आरओ प्लांट लगवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ के निवर्तमान अध्यक्ष राहुल रश्मि जैन ने बताया नॉर्थ ग्रुप की सामाजिक कार्यक्रमो की श्रृंखला के तहत उनके माताजी पिताजी प्रकाश चंद जी कांता जी छावड़ा की 51वी वर्षगांठ के उपलक्ष में राहगीरों के लिए विजय राम जी पांडे दिगंबर जैन मंदिर के सामने राजेश डेयरी के पास एक वाटर कूलर लगवाया है। अध्यक्ष सुनील मुनिया सोगानी ने बताया है कि कोषाध्यक्ष संजय निशा गोधा की तरफ से राहगीरों को परिंड़े भी वितरित किए गए। ग्रुप सचिव अजय जैन ने बताया कि कार्यक्रम में ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष मनीष झंझरी,पूर्व अध्यक्ष अभय अंजना गंगवाल,उपाध्यक्ष सुकेश काला , सामाजिक कार्यो के मुख्य संयोजक पदम प्रीति सोगानी संतोष जैन विनोद जैन सहित छाबड़ा परिवार एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बच्चों को मोबाइल नहीं, णमोकार मंत्र चाहिएः राजुल जैन

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अंबाह। जैन समाज द्वारा संचालित बाल संस्कार शाला में शुक्रवार को एक विशेष प्रेरणादायक सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता समाजसेवी और विचारक राजुल जैन ने बच्चों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा, बच्चों को मोबाइल नहीं, णमोकार मंत्र चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आज के दौर में बच्चे आधुनिकता की चकाचौंध में अपने मूल संस्कारों और धार्मिक मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं, जो समाज के लिए चिंता का विषय है। राजुल जैन ने कहा कि एक समय था जब बच्चे रोते थे, तो माता-पिता उन्हें मंत्र सुनाते थे, धार्मिक कहानियाँ सुनाते थे, मंदिर ले जाते थे। अब जब बच्चा रोता है, तो माता-पिता तुरंत मोबाइल थमा देते हैं। यह केवल व्यवहार में बदलाव नहीं है, बल्कि यह एक पूरी पीढ़ी की सोच और दिशा को बदल देने वाला परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि पहले माता-पिता बच्चों को मंदिर दर्शन के बिना भोजन नहीं देते थे। आज बच्चे बिना स्नान किए, बिना भगवान का नाम लिए सीधे टीवी या मोबाइल के सामने बैठकर खाना खाते हैं। यह केवल जीवनशैली की गिरावट नहीं, बल्कि हमारे धार्मिक और नैतिक पतन की भी निशानी है। राजुल जैन ने अभिभावकों को संदेश दिया कि यदि हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे अच्छे संस्कारों वाले बनें, तो हमें खुद भी अपने आचरण में सुधार करना होगा। बच्चों की पहली पाठशाला हमारा व्यवहार और हमारा घर होता है। उन्होंने कहा कि लौकिक शिक्षा के साथ-साथ आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षा देना भी आज के समय की बड़ी जरूरत है। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा भक्ति गीत, णमोकार मंत्र, नैतिक कहानियाँ और धार्मिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें उपस्थितजनों ने खूब सराहा। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, वहीं रीता पवन कुमार जैन, अनिल जैन, भारत जैन (चीकू), आकाश जैन (लाला) परेड़, राजेश जैन (राजू), विनोद जैन (लवली), गुड्डी, कालीचरण जैन, शिखा मोनू, रजनी, विजय जैन, सलोनी गौरव जैन आदि ने बच्चो के लिए पृथक-पृथक दिन पुरुस्कार की व्यवस्था की।

द्रोणगिरि के तीर्थधाम सिध्दायतन में संस्कार शिविर का हुआ समापन

रत्नेश जैन रागी. शाबाश इंडिया

द्रोणगिरि (बड़ामलहरा)। आज तीर्थधाम सिद्धायतन में सोलहवां आवासीय बाल संस्कार शिक्षण एवं प्रवेश पात्रता शिविर की समापन सभा सम्पन्न हुई जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता जैनदर्शनाचार्य पं. राजकुमार शास्त्री ने की एवं सभा के मुख्य अतिथि बड़ामलहरा तहसीलदार आलोक जैन , विशिष्ट अतिथि घुवारा तहसीलदार कपिल शर्मा रहे एवं सभा में ट्रस्ट उपाध्यक्ष डॉ. गुलाबचंद जैन, मंत्री प्रद्युम्न फौजदार , शिविर ध्वजारोहण कर्ता सेवक चन्द्र जैन , हेमचंद जैन, अखिल भारतीय जैन युवा फैडरेशन के महामंत्री नीरज दिल्ली एवं विद्वत क्रम में पं. कमलेश शास्त्री सागर, शिविर के सह-संयोजक पं. स्वतंत्र शास्त्री, पं. नीलेश शास्त्री, पं. पंकज शास्त्री बड़ामलहरा, विदुषी विपाशा ,पं. शाश्वत शास्त्री बड़ामलहरा, पं. प्रवीण शास्त्री बड़ामलहरा, पं. आदित्य शास्त्री सिद्धायतन, विदुषी लब्धि शास्त्री घुवारा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंगलमय मंगलाचरण वीतराग विज्ञान पाठशाला की छात्राओं द्वारा किया गया , पं. कमलेश के द्वारा शिविर में होने वाली गतिविधियों के बारे में बताया गया एवं मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के द्वारा शिविर की उपयोगिता बताते हुए छात्रों को शिविर में आने की बधाई दी साथ दी तथा गुरुदत्त छात्रावास में नवीन प्रवेशित छात्रों का अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया एवं पं. नीलेश शास्त्री के द्वारा शिविर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया । चार कक्षाओं में सम्मिलित हुए छात्रों में से प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरूस्कार प्रदान किये एवं समस्त शिविरार्थियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये गये तथा अन्त में अध्यक्षीय भाषण देते आदरणीय पं. राजकुमार शास्त्री के द्वारा सुन्दर कविता सुनाई गई और ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डां. गुलाबचंद के द्वारा आभार व्यक्त करते हुए सभा समाप्त की गई , सभा का सफल संचालन पं. रोहित शास्त्री के द्वारा किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश रागी, रत्नेश जैन बकस्वाहा

आचार्य श्री वर्धमान सागरजी का चातुर्मास 2025 पदमपुरा में होगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

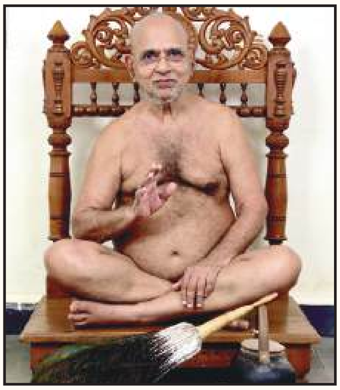

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि 108 आचार्य श्री वर्धमान सागरजी महाराज ने वर्ष 2025 का चातुर्मास पदमपुरा में करने का आशीर्वाद प्रदान किया है। आज पदमपुरा की कमेटी ने अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन के नेतृत्व में आचार्यश्री को चातुर्मास 2025 हेतु श्रीफल समर्पित किया इस अवसर पर कमेटी के सुभाष पाटनी, राज कुमारजी कोठारी, राज कुमार सेठी, हरीशुधाडूका, प्रेम चंद छाबड़ा, महेन्द्र कुमार अनोपडा, नरेन्द्र जैन पांड्या, महावीर पाटनी गोनेर, सुरेश सबलवत, राजेश सेठी, राजेन्द्र बिलाला, करुण जैन आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर राकेश सेठी, नेम कुमार कसेरा, वैभव जैन व अन्य अनेक गणमान्य उपस्थिति रहे। इस चातुर्मास की विशेषता यह है कि इसके दौरान ही प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री शांति सागरजी जी महाराज की दीक्षा शताब्दी का समापन समारोह भी आयोजित होगा और उसके पश्चात पदमपुरा में भव्य खड्गासन चौबीसी का पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव भी मनाया जाएगा।

प्रेषक : मंत्री हेमन्त सोगानी

वेद ज्ञान

मेरा कुछ भी नहीं

मनुष्य में जो कुछ भी शक्ति है, वह उसकी अपनी नहीं है। यह बात याद रखनी चाहिए कि मेरा कुछ भी नहीं है। जब मनुष्य के मन में यह भावना उठती है कि मेरी शक्ति से नहीं, उन्हीं की शक्ति से सब कुछ हो रहा है, तब उनमें अनंत शक्ति आ जाती है। आप लोग इस दुनिया में आए हैं। इसलिए आपको बहुत कुछ करना है। वस्तुतः दुनिया में जो कुछ भी होता है, उसके पीछे एषणा वृत्ति काम करती है। एषणा है इच्छा को कार्य रूप देने का प्रयास। जहां इच्छा है और इच्छा के अनुसार काम करने की चेष्टा है, उसे कहते हैं एषणा। दुनिया में जो कुछ भी है, एषणा से ही है। परमात्मा की एषणा से दुनिया की उत्पत्ति हुई है। जब परमपुरुष की एषणा और मनुष्य की व्यक्तिगत एषणा एक साथ काम करती है तो उस स्थिति में कर्म में मनुष्य सिद्धि पाते हैं, किंतु वे सोचते हैं कि मेरी कर्मसिद्धि हुई है। कर्मसिद्धि कुछ नहीं हुई है। परमपुरुष की एषणा की पूर्ति हुई है। वह जैसा चाहते हैं, वैसा हुआ। आपकी ख्वाहिश भी वैसी थी। इसलिए आपके मन में भावना आई कि मेरी इच्छा की पूर्ति हो गई है। आपकी इच्छा की पूर्ति नहीं होती है। उनकी इच्छा की पूर्ति होती है। वे अपनी इच्छा के अनुसार काम करते हैं, किंतु मनुष्य के मन में आनंद तब होता है, जब मनुष्य यह जान लेता है कि उनकी इच्छा की पूर्ति हो गई। इसलिए बुद्धिमान मनुष्य इस संदर्भ में क्या करते हैं? वे सोचते हैं कि परमात्मा की इच्छा इसमें क्या है। उसी इच्छा को मैं अपनी इच्छा भी बना लूं। वे देखते हैं कि परमात्मा की जो एषणा है उसके पीछे कौन सी वृत्ति है? वह है इस दुनिया का कल्याण हो। कल्याण हो यही है परमात्मा की एषणा। इसलिए शास्त्र में परमात्मा का एक नाम कल्याणसुंदरम भी है। परमात्मा सुंदर क्यों हैं? चूंकि उनमें कल्याण वृत्ति है। इसलिए वे सुंदर हैं। परमात्मा हर जीव की नजर में सुंदर हैं, क्योंकि वे कल्याणसुंदरम हैं। साधक केवल अपने आगे बढ़ेंगे और दुनिया के और व्यक्ति पीछे रह जाएंगे। यह मनोभाव साधक का नहीं है। इसलिए कहा जाता है कि साधना का अन्यतम अंग है तप। तप माने अपने स्वार्थ की ओर नहीं ताकना। ताकना है समाज के हित की ओर। सामूहिक कल्याण की भावना जहां है, व्यक्तिगत कल्याण उसमें हो या न हो, उसी का नाम है तप। तप का सर्वोत्तम उपाय जनसेवा है।

संपादकीय

भारतीय साहित्य का फलक बड़ा है...

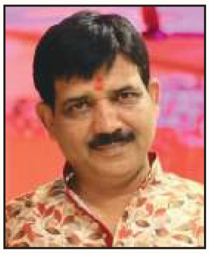

बानू मुश्ताक के कन्नड़ भाषा में लिखे गए कहानी संग्रह 'हृदय दीप' के अनूदित संस्करण 'हार्ट लैंप' को अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार मिलने से एक बार फिर यह सिद्ध हुआ है कि भारतीय साहित्य का फलक बड़ा है। इस पुरस्कार ने लेखिका की जिंदगी और उनके साहित्य को दुनिया के सामने रखा है। दरअसल, बानू मुश्ताक ने पितृसत्तात्मक समाज में संघर्ष कर रही लाखों महिलाओं की पीड़ा को अपनी कहानियों में उकेरा है। अपनी कहानियों में दर्ज उन्हीं महिलाओं को पुरस्कार समर्पित करते हुए उन्होंने कहा भी है कि यह केवल उनकी जीत नहीं, बल्कि उन अनसुनी आवाजों का समवेत स्वर है, जिसे प्रायः दबा दिया जाता है। वकील और सामाजिक कार्यकर्ता बानू रूढ़िवाद के खिलाफ हमेशा मुखर रही हैं। यह उनके लेखन में स्पष्ट दिखता है। वे सामाजिक मुद्दे प्रमुखता से उठाती रही हैं। उनकी कहानियों में परंपरा और लोकभाषा जीवंत हो उठती है। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों से साहित्य रचा है। इसलिए उनमें कल्पना के साथ तीखी सच्चाई है। उनका मानना है कि आज की बंटी हुई दुनिया में साहित्य एक ऐसी पवित्र जगह है, जहां हम कुछ देर के लिए ही सही, लेकिन एक दूसरे की भावना और जीवन को महसूस कर सकते हैं। लेखिका की यह भावना दुनिया से गुम हो रही संवेदना को बचाने की कोशिश है। जाहिर है, अब 'हार्ट लैंप' को बुकर पुरस्कार मिलना वैश्विक फलक पर भारतीय भाषाओं को अपनी पहचान स्थापित करने के रास्ते को और आसान बनाएगा। क्षेत्रीय भाषाओं में रचे जा रहे साहित्य को नए पाठक भी मिलेंगे। लंदन में संग्रह की अनुवादक दीपा भास्ती के साथ पुरस्कार ग्रहण करते समय बानू का यह कहना हर किसी को सुखद लगा कि कोई कहानी स्थानीय नहीं होती। उनके गांव के बरगद के पेड़ के नीचे बुनी कहानियां आज इस मंच तक को छाया दे रही हैं। निश्चित रूप से यह कन्नड़ भाषा के लिए गौरव का क्षण है। यह पहली बार है जब इस भाषा में लिखी गई लघु कहानियों के अनूदित संग्रह को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला है। वहीं भारतीय साहित्य में दूसरी बार किसी लेखिका को बुकर पुरस्कार मिला है। यह सम्मान बानू मुश्ताक की कड़ी मेहनत को ही नहीं, बल्कि हाशिये के समुदायों और संकीर्ण विचारों से लड़ रहीं स्त्रियों को भी मिला है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

नक्सलवाद पर प्रहार

देश में नक्सली हिंसा लंबे समय से एक जटिल समस्या रही है। इससे निपटने के लिए सरकार ने कई स्तर पर मोचेबंदी की है और वह अब भी जारी है। मगर सच यह है कि अब भी इस समस्या और इसकी जड़ों से पार पाना एक चुनौती है। हालांकि नक्सली हिंसा का सामना करने के क्रम में पिछले कुछ समय से सुरक्षा बलों को जैसी कामयाबी मिल रही है. उससे कहा जा सकता है कि सरकार इसे खत्म करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम कर रही है और इसी मुताबिक जमीनी स्तर पर भी कार्रवाई कर रही है। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर बीजापुर-तेवाड़ा जिले के सीमावर्ती इलाकों में बुधवार को सुरक्षा बलों द्वारा सचाई नक्सलियों को मार गिराने की खबर आई। खुफिया जानकारी के बाद घेरेबंदी कर की गई इस कार्रवाई में शीर्ष माओवादी नेता नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को भी मार गिराया गया। इसके अलावा, गुरुवार को राज्य के सुकमा जिले में भी नक्सल विरोधी अभियान के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ के एक कोबरा कमांडों की मौत हो गई और मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। जाहिर है देश भर में नक्सली हिंसा का सामना करने और इसे खत्म करने के लिए किए जाने वाले सरकारी दानों के लिहाज से ताजा कार्रवाई को एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। खासतौर पर इसलिए भी कि पिछले कुछ वर्षों से नक्सल विरोधी अभियान में तेजी के साथ छिटपुट स्तर पर नक्सलियों को या तो मार गिराने या फिर उनका समर्पण कराने में सरकार को लगातार सफलता मिल रही थी। मगर इस बार के मुठभेड़ को सरकार ज्यादा अहम इसलिए मान रही है कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई के तीन दशकों के दौरान वह पहली बार है जब सुरक्षा बलों ने एक शीर्ष स्तर के किसी नेता को मारा है। ताजा अभियान के तहत हाल के दिनों में छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में जीवन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और चौरासी ने आत्मसमर्पण कर दिया। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सिर्फ इस वर्ष अब तक एक सौ अरसी से ज्यादा माओवादी मारे गए और कई सौ ने आत्मसमर्पण भी किया। निश्चित तौर पर नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के मारे जाने, आत्मसमर्पण और उनकी गिरफ्तारी को प्रत्यक्ष नक्सली हिंसा को समाप्त करने की दिशा में अहम उपलब्धि माना जा सकता है। मगर इस समस्या की जड़ें सामाजिक आर्थिक कारणों में भी छिपी हैं। इसलिए प्रत्यक्ष कार्रवाई के साथ-साथ उनके समाधान का उन्हें दूर करने के लिए भी एक ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ काम करने की जरूरत है। मसलन, नक्सली समूहों तक वित्तीय मदद और हथियार पहुंचाने के रास्तों का माध्यमों को खत्म करने, नक्सल प्रभावित इलाकों में आम लोगों के बीच विश्वास पैदा करने, उन्हें बुनियादी और भूमि अधिकार देने, मुख्यधारा में लाने, ऋण माफ करने और गरीबी दूर करने के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक वंचनाओं से मुक्ति दिलाने जैसे अन्य पहलुओं पर भी स्थायी हल तलाशने की मंशा के साथ काम करने की जरूरत है। नक्सलवाद से प्रभावित इलाकों में चलाए गए अभियानों के बाद अब ऐसी संभावना भी जताई जाने लगी है कि यह समस्या अपने अंतिम चरण में है लेकिन अगर कुछ बड़ी कामयाबियों के आधार पर भी इस समस्या की जहां पर चोट करने को लेकर शिथिलता बरती गई तो शायद यह इसकी जटिलता की अनदेखी साबित होगी।

प्रथम पुण्य समृति में अपना घर मे करवाया भोजन

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

आज दिनांक 23 मई शुक्रवार को स्वर्गीय श्रीमती चौसर देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री महावीर प्रसाद जी गंगवाल की पुण्य स्मृति में महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी की प्रेरणा से जीवदया मानव सेवा की भावना से बिमार, लाचार, असहाय जन के आवास अपना घर में सभी 73 प्रभु जी को भोजन करवाते सुभाष पटोदी, अजय पाटोदी, सुनील पाटनी, वीर प्रदीप कुमार कलावती, खुशी गंगवाल, संगीता विपिन पहाड़िया दर्शन जैन एवं संस्था अध्यक्ष रामावतार गोयल सचिव अजीत पहाड़िया कोषाध्यक्ष सुरेश गंगवाल ने सहयोग किया। वीर सुभाष पहाड़िया ने अपना घर में सभी प्रभु जी को प्रेम पूर्वक भोजन करवाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

-वीर सुभाष पहाडिया

जैन मिलन महिला चंदना द्वारा लगाया गया दंत परीक्षण शिविर

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। शहर के हाउसिंग कॉलोनी अग्रवाल धर्मशाला के पास जैन मिलन महिला चंदना द्वारा निशुल्क दंत परीक्षण शिविर लगाया गया जिसमें दंत रोग विशेषज्ञ डॉक्टर ललित चोपड़ा (BDS,POHCF) द्वारा मरीजों के दातों का परीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने अपने दांतों परीक्षण कराया और आवश्यक उपचार लेकर स्वास्थ्य लाभ लिया। इस अवसर पर शाखा संस्थापिका नीतू जैन पहाड़िया ने कहा जैन तीर्थ रक्षा अभियान के तहत उपरोक्त सामाजिक कार्य किए जा रहे हैं हमारी शाखा का उद्देश्य है हम ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक जनमानस तक स्वास्थ्य लाभ पहुंचाएं। इस अवसर पर क्षेत्रीय संयोजक राखी जैन, शाखा अध्यक्ष सुनीता जैन, मंत्री अलका जैन, विभा जैन, रूबी जैन, अनीता जैन, प्रिया जैन, मोनी जैन, अंजू जैन, उपस्थित रहे।

जनता कॉलोनी जैन मंदिर धार्मिक शिविर में बच्चों को, पुरस्कार स्वरूप गुल्लक व रंग दिए गए

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनता कॉलोनी जैन मंदिर धार्मिक शिविर में बच्चों को, पुरस्कार स्वरूप गुल्लक व रंग दिए गए, जिसमें वह रंगों से सजावट करें, वह गुल्लक में पैसे जमा करें, और उसको दानस्वरूप, किसी भी धार्मिक आयोजन, कुष्ठ आश्रम, परिंडे लगाने, गरीब बच्चों को पेन पेंसिल व किताबें, खरीदने में योगदान करेंगे ऐसी सभी बच्चों ने प्रतिज्ञा ली।

विधायक गोपाल शर्मा ने भगवान शनि देव जन्मोत्सव के पोस्टर का किया विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाजसेवी, अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने बताया कि 26 मई 2025 को भगवान शनि देव का जन्मोत्सव पर विशेष झांकी सजाई जाएगी, तेल से अभिषेक किया जाएगा, महा आरती की जाएगी। सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा का अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्र आचार्य व शनि देव भगवान के मंदिर के महंत मगन गौड, भाजपा युवा नेता सिविल लाइन जयपुर भवानी शर्मा ने माला पहनाकर ,शौल ओढ़ाकर, दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया और इनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

जैन मिलन महिला द्वारा शिक्षण शिविर का हुआ समापन

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। नगर के हाऊसिंग कॉलोनी के पचासा मै श्री दिगंबर जैन मंदिर बड़े वाले में 17 मई से शिक्षण शिविर का आरंभ हुआ जिसका 23 मई को समापन हुआ यह सिविल पाठशाला समिति की चेयरमैन वीरांगना सपना जैन एवं पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज की परम शिष्य राकेश पंडित जी के सानिध्य में लगाई गई । बाहर से आए पंडित ईशान भैया जी, अनिल भैया जी, मनीष भैया जी, के द्वारा भाग 6 भाग 3 और भाग 1 और शाम की टाइम महिलाओं को छह ढाला पढ़ाया गया। इस सिविल पाठशाला में जैन मिलन महिला भिंड का विशेष सहयोग रहा उनके द्वारा दो दिन तीन दिन शुल्पहार की व्यवस्था की गई और समापन में भी वीरांगना सपना जैन और जैन मिलन महिला भिंड के द्वारा समापन की व्यवस्था की गई पुरस्कार वितरण किये गए। लक्ष्मी जैन के द्वारा पंडित जी को वस्त्र

वितरण किए गए इस कार्यक्रम में पचासा मंदिर की कमेटी एवं जैन मिलन महिला की महिलाओं का भी बहुत योगदान रहा। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर सुनील जैन, विमर्श समाचार के संपादक सोनल जैन का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्य धार्मिक समिति चेयरमेन स्नेहलता जैन वीरांगना लक्ष्मी जैन, सुनीता जैन, सुमन जैन, हेमा जैन, राधा जैन, मनीष जैन, ज्योति जैन, मंजू जैन, लक्ष्मी जैन, सचिन जैन, माया जैन, हीरा जैन, शैलेश जैन, छोटेलाल जैन, महेंद्र कुमार जैन, राजेश जैन, अशोक पंडित जी, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में त्रिशला संभाग दुर्गापुरा द्वारा धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महा समिति महिला अंचल एवं बालिका श्रमण संस्थान सांगानेर के संयुक्त तत्वावधान में श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में त्रिशला संभाग दुर्गापुरा द्वारा 16 मई से 27 मई तक ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष श्रीमती चंदा सेठी एम रेणु पांड्या ने बताया कि शिविर में करीबन 110 शिवरात्रि धर्म लाभ ले रहे हैं। बालिका संस्थान की बालिकाएं द्वारा सभी को अध्ययन कराया जा रहा है ज्ञान की वृद्धि हो रही है दिनांक 23 मई को शिविर का अवलोकन करने राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष पांड्या, मंत्री मनीष बेद, यश कमल आजमेरा, भरत भूषण अजमेरा, कुशल ठोलिया, राजस्थान जैन युवा महासभा के अध्यक्ष प्रदीप मंत्री विनोद कोटखावदा एवम श्रमण संस्कृत संस्थान के संयुक्त मंत्री श्रीमान दर्शन बाकलीवाल पधारे शिविर का संचालन देखकर आप सबको बहुत प्रसन्नता हुई । यह शिविर जयपुर के लगभग 45 मंदिरों में निरंतर 26 साल से चलता आ रहा है।

बापू नगर में हुआ परिण्डों का वितरण

मन में है ठाना परिंदों को बचाना है : अध्यक्ष उमरावमल संघी

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग द्वारा उमरावमल संघी की अध्यक्षता में आज पार्श्वनाथ पार्क, गणेश मार्ग बापू नगर में जयपुर में बेजुबान पक्षियों के लिए जगह-जगह बांधे जाने हेतु परिंडों का वितरण हुआ। जिसमें सम्भाग क्षेत्र के 9 सेक्टर प्रतिनिधियों में महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। दिगम्बर जैन समाज बापू नगर सम्भाग के अध्यक्ष उमरावमल संघी ने बताया कि प्रतिवर्ष यह अभियान के माध्यम से सम्भाग द्वारा पक्षियों के लिए हर साल परिडे बांधती हैं। इस बार भी विभिन्न जगहों पर परिडे बांधकर उनमें दाना-पानी डालने का संकल्प लिया है। साथ ही लोगों को भी संदेश दिया कि सभी बेजुबान पशु-पक्षियों की सेवा के लिए आगे आएं। संस्था के रमेश बोहरा, संजय पाटनी, सुरेन्द्र कुमार मोदी एवं मनोज झांझरी ने बताया कि बताया कि पर्यावरण के साथ ही मानव जाति के लिए भी परिदों का जिंदा रहना जरूरी है। इस अवसर पर राजीव जैन गाजियाबाद, विजय दीवान, प्रदीप कुमार जैन, सुरेन्द्र कुमार मोदी, बैद, उमरावमल संघी, रमेश बोहरा, मनोज झांझरी, संजय पाटनी, निर्मल झांझरी, आकाश जैन, राजेन्द्र झाँझरी, राजेश बड़जात्या, डॉ. पी.सी. जैन, बिन्दायक्या, शांति शाह, सूरज अजमेरा, सीमा जैन गाजियाबाद, वीणा बोहरा, सुलोचना मोदी, रंजू बाकलीवाल, शकुन बाकीवाला, स्नेहलता काला, बवीता पाटनी, राजकुमारी अजमेरा, माला बिन्दायक्या, उपस्थित थे। अध्यक्ष उमरावमल संघी परिवार द्वारा परिडों का वितरण किया गया। संचालन मनीष बैद ने किया।

रिलायंस ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए रखा 75 हजार करोड़ का निवेश लक्ष्य

25 लाख नए रोजगार मिलेंगेए इस वर्ष पूर्वोत्तर में 1 करोड़ लोग जियो 5जी नेटवर्क से जुड़ जाएंगे, 350 बायोगैस संयंत्र लगाएगी रिलायंस

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने पूर्वोत्तर राज्यों में अपने निवेश को 75 हजार करोड़ करने का लक्ष्य रखा है। अभी कंपनी का इन राज्यों में करीब 30 हजार करोड़ का निवेश है। यानी अगले पांच वर्षों में रिलायंस इन राज्यों में करीब 45 हजार करोड़ रुपये का नया निवेश करने जा रही है। मुकेश अंबानी दिल्ली के भारत मंडपम में चल रही ''राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट'' में बोल रहे थे। सशस्त्र बलों की बेजोड़ बहादुरी के वजह से सफल हुए ऑपरेशन सिंदूर पर मुकेश अंबानी ने प्रधानमंत्री मोदी और देश को बधाई देते हुए उन्होंने अपनी बात शुरू की। अंबानी ने बताया कि यह प्रस्तावित निवेश 25 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करेगा। राज्यों में 350 बायोगैस संयंत्र स्थापित करने की प्रतिबद्धता भी मुकेश अंबानी ने जताई। जियो का जिक्र करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस जियो का 5जी नेटवर्क पूर्वोत्तर राज्यों की करीब 90 फीसदी आबादी तक पहुंच गया है। 50 लाख लोग जियो 5जी नेटवर्क से जुड़े हैं और इस वर्ष यह संख्या दोगुनी हो जाएगी। किसानों की आय बढ़ाने के लिए उनसे सीधी खरीद को रिलायंस रिटेल प्रोत्साहित करेगा। प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि आपके प्रयासों से पूर्वोत्तर हाशिये से निकल कर भारत के विकास के नक्शे पर उभर आया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में रिलायंस फाउंडेशन के कामों पर रोशनी डालते हुए उन्होंने कहा कि रिलायंस फाउंडेशन ने मणिपुर में 150 बिस्तरों वाला कैंसर अस्पताल स्थापित किया है।

आत्महित के लिए सम्यग्ज्ञानी बनकर करें अहित का परित्याग

सनावद. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज द्वारा दीक्षित पूज्य मुनि श्री आस्तिक्य सागर जी एवं मुनि श्री विनियोग सागर जी महाराज ग्राम कोठी से विहार कर शुक्रवार को नगर में पहुँचे। जहाँ जैन श्रद्धालुओं ने रेलवे फाटक पहुँचकर मुनि द्वय की अगवानी की। मुनि जी ने श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में श्री जी के दर्शन किये। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि संत निवास में प्रवचन के दौरान पूज्य मुनि श्री आस्तिक्य सागर जी ने बताया कि देव, शास्त्र, गुरु पर श्रद्धा रात्रि भोजन त्याग, पानी छानकर पीना तथा सप्तव्यसन त्याग करने वाला सच्चा श्रावक कहलाता है। सच्चे श्रावक का कर्तव्य है कि वह आत्महित के लिए सम्यग्ज्ञानी बनकर अहित का परित्याग करें। इसी तरह साधु स्वाध्याय और तप में लीन रहकर आत्महित करें। व्यक्ति को आत्महित पहले करना चाहिए। डॉ. जैन ने बताया कि पूज्य मुनि द्वय का विहार महाराष्ट्र के जलगाँव के लिए हो रहा है जहाँ आपका चातुर्मास होगा। संचालन अजय पंचोलिया ने किया। इस मौके पर बसंत पंचोलिया, रजत जैन, सलित जैन, सत्येंद्र जैन , प्रफुल्ल जैन, इंदरचंद जैन, सोनू बड़ूद, प्रदीप पंचोलिया, राकेश जैन, संगीता पाटोदी, रेखा भूच, हेमलता जैन सहित अनेक श्रद्धालु जन मौजूद रहे। मुनि श्री आस्तिक्य सागर जी महाराज के आहार राजेश कैलाश जटाले, एवं मुनि श्री विनियोग सागर जी महाराज के आहार किरण लश्करे परिवार में हुआ। शनिवार को भी पूज्य मुनि के प्रवचन 8:30 बजे संत निवास में होंगे।

प्राकृत विद्या शिक्षण शिविर का सामूहिक समापन 25 मई को

शिविर प्रतिनिधिमंडल ने की कुलगुरु प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता से की सौजन्य भेंट

शाहगढ़. शाबाश इंडिया। आचार्य समय सागर जी महाराज, आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज, आचार्य वसुनंदी जी महाराज, परम पूज्य प्राकृताचार्य सुनील सागर जी महाराज एवं अनेक दिगंबर जैन संतों के पावन आशीर्वाद एवं प्राकृत भाषा विकास फाऊंडेशन तथा अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद के संयुक्त तत्वावधान में संपूर्ण भारतवर्ष में संचालित प्राकृतविद्या शिक्षण शिविर का सामूहिक समापन दिनांक 25 मई को श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र नैनागिर जी से संपन्न किया जाएगा। शिक्षण शिविर के राष्ट्रीय संयोजक डॉ आशीष जैन आचार्य शाहगढ़ ने बताया कि शिक्षण शिविर के समापन से संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। समापन समारोह में मध्य प्रदेश प्रांत से विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रण दिया जा चुका है। शिक्षण शिविर के समापन समारोह में मध्य प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर संचालित प्राकृतविद्या शिक्षण शिविर का सामूहिक समापन समारोह भव्य आयोजन के साथ संपन्न किया जाएगा। शिक्षण शिविर में संचालित विभिन्न विषयों की कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। शिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्रदान कर रहे भारतवर्ष के विभिन्न स्थानों से समागत लगभग 40 विद्वानों का भी विशिष्ट सम्मान किया जाएगा। सम्मान समारोह में विशिष्ट समागत अतिथियों के क्रम में शिविर प्रतिनिधि मंडल एवं संस्था के पदाधिकारीयों ने सर डॉक्टर हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर की कुलगुरु प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता से भी सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें शिविर की उद्देश्यपूर्ण संरचना, उपलब्धियाँ एवं प्राकृत भाषा की शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर शिविर पाठ्यक्रम एवं प्राकृत साहित्य की प्रतियाँ कुलगुरु को भेंट की गईं।

प्राचीन संस्कृति और संस्कारों का था बड़ा महत्व : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

मेहतवाड़ा. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ प्रणेत्री श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ का मेहतवाड़ा में मंगल प्रवेश हुआ। माताजी ससंघ की निर्विघ्न आहारचर्या यही पर संपन्न हुई। माताजी ससंघ का मंगल विहार भोपाल के लिए चल रहा है। जिसमें 24 मई को माताजी ससंघ का आष्टा में मंगल प्रवेश होगा। माताजी ने उपस्थित जनसमूह को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि जैसा भीतर में आचरण होता है, वैसा ही परिणाम होता है। जैसी क्रिया होती है वैसे ही भाव आगे बनते चले जाते हैं। वह भावनाएं राग देश को समाप्त करने की नहीं बन पाती है। आत्मा में वह विचार नहीं आ पाते है कि राग द्वेष को हमें समाप्त करना है। पूराने समय की जितनी मर्यादाएं थी आज के समय में उनकी कोई कीमत, कोई प्रयोजन नहीं है। पहले पालने में पलते बच्चे को देखकर ये समझ लेते थे कि बड़े होकर ये कैसे बनेंगे। अब कम्प्यूटर मोबाइल देख देख कर बच्चे पलते हैं लेकिन माता - पिता नहीं समझ पाते कि यह बड़ा होकर क्या करेगा। पहले समय में ये परख लिया जाता था कि ये बच्चा बड़ा होकर हमारे पास रहेगा या नहीं और उनका अनुमान सही निकलता था। अब माता-पिता सोचते हैं ये मेरा है , मेरे पास ही रहेगा। लेकिन बच्चा कहता है टाटा बाय-बाय छुट्टी वो नहीं रहता उनके पास। आज के समय में कल्चर ही ऐसा बन गया है। संस्कार ही ऐसे मिल रहे हैं। बहु बिना सिर ढ़के जिंस टोप जैसे छोटे छोटे वस्त्रों में बाहर घुम रही है। बेटे को हाथ पकड़ के चलना है। अरे पहले निकटता से मयार्दा बनाई जाती थी और अब दूर रहकर मर्यादा बनाई जा रही हैं। माताजी ने कहा - हम जितना मर्यादित जीवन जीयेंगे उतना ही आने वाली पीढ़ी भी सीखेगी। अतः बच्चों के सामने ऐसी कोई क्रिया या मनमाने काम न करें जिसका उन पर गलत प्रभाव पड़े।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

श्रुत पंचमी समारोह के पोस्टर का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज दुर्गापुरा जैन मंदिर में विराजित परम पूज्य प्रातः स्मरणीय, अर्हन्त केवली श्री राम चरित्र कथा वाचक श्री 108 जयकिर्ति जी मुनिराज के पावन सानिध्य में राजस्थान जैन साहित्य परिषद के त्रि दिवसीय कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन हुआ। उक्त जानकारी देते हुए संस्था के संयुक्त मंत्री रमेश गंगवाल ने बताया पोस्टर विमोचन के अवसर पर पदमचंद बिलाला, महावीर कुमार चंदवाड, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, योगेश टोडरका, प्रद्युम्न पाटनी राजेन्द्र पापडीवाल, प्रदीप छाबड़ा एवं कार्यकारिणी के सभी सदस्य मौजूद थे। गुरुदेव ने श्रुत पंचमी महा महोत्सव के कार्यक्रम के लिए मंगल आशीर्वाद दिया।

जैन एकता मंच ने तेज गर्मी को देखते हुए किया सेवा कार्य

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए जैन एकता मंच द्वारा आज दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक रोडवेज बस स्टैंड, ब्यावर पर एक जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह सेवा कार्य स्वर्गीय टीकमचंद जी बाफना की पुण्य स्मृति में बाफना परिवार के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग 5000 यात्रियों को ठंडा कैरी पानी व नींबू पानी वितरित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित पदाधिकारीगण एवं सदस्यः सुखराज बाफना, अध्यक्ष संजय नाहर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश मकाणा, महामंत्री महावीर बाफना, कोषाध्यक्ष राजू सेठिया, आशीष डोसी, अशोक पलडेचा, अभिषेक नाहटा, सज्जन सांखला, नरेंद्र पलडेचा, मुकेश बाफना, अमित बाबेल, संजय घीया, निर्मल सेठिया, गुलाब जी रांका, राकेश बोहरा, जैनम बाफना, विकास लोढ़ा, प्रियम लोढ़ा आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी सदस्यों का सहयोग सराहनीय रहा।

वीर सैनिकों के मंगल की कामना के लिए दर्शनोदय तीर्थ कमेटी शान्ति धारा का आयोजन

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

अपने घर परिवार प्रियजनों को छोड़कर दिन रात सीमा की रक्षा करने तैनात वीर सैनिकों के मंगल की कामना के लिए दर्शनोंदय तीर्थ कमेटी शान्ति धारा करने जा रहे हैं हम परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि भारत माता के महान सपूतों के परिवार में सुख शांति समृद्धि हो उनके घरों में हमेशा खुश हाली वनी रहें आज हम जो अपने घरों में बैठकर धर्म ध्यान कर रहे हैं ये सब हमारे वीर सैनिकों के कारण ही संभव हो रहा है उक्त आश्य केउद्गार दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में वीर सैनिको के सम्मान में बोलते हुए मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने व्यक्त किए।

शान्ति धारा के साथ रिद्धि मंत्रो से किया अभिषेक

इसके पहले आज प्रातः काल की वेला में दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी के खड़े बाबा भगवान श्री आदिनाथ स्वामी के दिव्य दरवार में विकास कुमार के मंगलाष्टक के साथ समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन औरंगाबाद लातूर उस्मानाबाद से पधारे भक्तों ने आचार्य श्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया इसके बाद चार इन्द्रो दारा भगवान का महा मस्तिष्काभिषेक किया गया जिसका सौभाग्य सतीश कुमार अवनीश कुमार सौरभ कुमार समर्थ कुमार अचिंत्य कुमार वैरया मुंगावली क्षेत्र कमेटी के उपाध्यक्ष संजीव महावीर स्वीट्स कमेटी के मंत्री शैलेन्द्र दददा मंत्री प्रदीप

जैन रानी पिपरई सन्तोष कुमार अरिहंत कुमार आर्जिनवीस सुरेश कुमार आवढे औरंगाबाद हर्षित कुमार पाटिल लातूर महाराष्ट्र श्री पाल उस्मानाबाद सहित अन्य भक्तों को मिला इसके बाद ही जगत कल्याण की कामना करते हुए वीर सैनिकों की सुरक्षा व दीर्घ आयु की कमान करते हुए महा शान्ति धारा की गई।

इतनी विशाल प्रतिमाओं को कैसे स्थापित किया होगा सोचने की बात है

इस दौरान औरंगाबाद से पधारे दक्षिण भारत महासभा के सुरेश कुमार आबडे ने कहा कि इतनी विशाल विशाल मूर्तियां हमने कहीं नहीं देखी छोटे छोटे मन्दिरों में इतनी विशाल काय प्रतिमाओं को देख कर हमें अपने पूर्वजों पर गर्भ होता है सैकड़ों साल पहले जव कोई तकनीक नहीं थी तव इन उतगं प्रतिमाओं को केसै खड़ा किया गया होगा इसको समझना कठिन है हम सभी महाराष्ट्र कर्नाटक वासी अपने को धन्य समझ रहे हैं।

जिनेन्द्र भक्ति और साधु सेवा से अनंत पुण्य प्राप्त होता है: मुनि जय कीर्ति गुरुदेव

दस दिवसीय जैन रामायण कथा में उमड़े श्रद्धालु

सायंकाल हुई महाआरती एवं भक्ति संध्या में झूमे श्रद्धालु

प्रतिदिन प्रातः 8.15 बजे से 10.15 बजे तक हो रहा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जिनेंद्र भक्ति सर्वोपरि है जिनेंद्र भक्ति के सिवाय संसार में कोई सुख नहीं है। जितना भी हो सके साधु सेवा अवश्य करें वही हमारी मुक्ति का मार्ग बनेगी। ये उदगार गुलाबी नगरी जयपुर की पावन धरा पर पहली बार दुगार्पुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में राजस्थान जैन युवा महासभा, जैन कनेक्ट, दुगार्पुरा जैन मंदिर ट्रस्ट एवं महिला मंडल दुगार्पुरा के संयुक्त तत्वावधान में दिगम्बर जैन मुनि जयकीर्ति के मुखारबिंद से चल रही दस दिवसीय जैन रामायण कथा के छठे दिन शुक्रवार को मुनि जयकीर्ति महाराज ने व्यक्त किये। उन्होंने कथा के दौरान हनुमान का जन्मोत्सव, पवनंजय-अन्जना मिलन, हनुमान का लंका में प्रवेश, सीता से मुलाकात, राम, लक्ष्मण द्वारा अपनी सेना तैयार करना, युद्ध की तैयारी, राक्षसवंशी - वानरवंशी युद्ध, लक्ष्मण का मूर्छित होने के प्रसंग का चिरपरिचित शैली में चित्रण किया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' पर आधारित जैन रामायण कथा के संगीतमय आयोजन भगवान चन्द्र प्रभू के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन समाज श्रेष्ठी मनोज - शांति देवी,विजय सोगानी शांतिनगर, अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनार बापूगॉव के अध्यक्ष प्रकाश बाकलीवाल, प्रेम लता बाकलीवाल, जी सी जैन, विनोद जैन कोटखावदा, प्रकाश चांदवाड, राजेन्द्र काला आदि ने किया। ब्रह्मचारिणी पल्लवी दीदी द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया। मुनि श्री जयकीर्ति महाराज के पाद पक्षालन श्री धर्म जागृति संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष समाज श्रेष्ठी पदम बिलाला एवं राजा श्रेणिक अशोक - संतोष पाटोदी परिवार एवं अन्य अतिथियों ने किया। कथा के मुख्य श्रोता राजा श्रेणिक के रुप में अशोक - संतोष पाटोदी, मोहित - मोनिका, रोहित - आयुषी, रितेश, सुनील, मौलिक, रेयांश, रिया पाटोदी परिवार त्रिवेणी नगर का गाजों बाजों के साथ सभागार में जयकारों के बीच आगमन हुआ। राजा श्रेणिक परिवार परिवार एवं मुनि भक्त कुशल ठोलिया, धन कुमार कासलीवाल द्वारा मुनि श्री को जिनवाणी भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। राजा श्रेणिक बने अशोक कुमार - संतोष पाटोदी द्वारा किये गये प्रश्न का मुनि श्री द्वारा समाधान के रुप में रविषेणाचार्य द्वारा रचित प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' में उल्लेखानुसार जैन रामायण कथा का वाचन प्रारम्भ किया। गुरुदेव के मुखारविंद से चल रही भव्य राम कथा के छठे दिन हनुमान का गुफा में जन्म होता है फिर अंजना के मामा प्रतिसूर्य वहां पर आते हैं और उनको 'हनूरद्वीप' पर ले जाते हैं वहां पर उत्सव मनाया जाता है और 'हनुमान' नामकरण होता है फिर पवनंजय का अंजना से मिलन होता है हनुमान को अनेक विधाओं की सिद्धि हों जाती है..हनुमान लंका में प्रवेश करते हैं सीता से मिलन होता है राम की अंगूठी दिखाते हैं और 11 दिन बाद सीता भोजन करती है, हनुमान किशकिंधरपुर आकर के सीता की कुशलक्षेम राम लक्ष्मण सुग्रीव को बताते हैं राम लक्ष्मण आदि अपनी सेना के साथ युद्ध की तैयारी करते हैं जाते समय सभी शुभ शकून प्राप्त होते हैं.... राक्षसवंशी और वानर वंशी के बीच में भयंकर युद्ध होता है, गरुडेंद द्वारा राम लक्ष्मण आदि को अनेक विद्यायें प्राप्त होती है..... फिर रावण के द्वारा अमोघ विद्या का प्रहार करने से लक्ष्मण मूर्छित हो जाते हैं अचेत हो जाते हैं.... फिर अनंगसरा का कथन प्रारंभ होता है..... ये सारे प्रसंग को गुरुदेव ने बहुत ही चिर परिचित शैली में राम कथा में समझाये...... मुनि श्री ने गद्य एवं पद्य के माध्यम से मांगी तुंगी

तीर्थ से मोक्ष गये जैन धर्म के आठवें बलभद्र श्री रामचन्द्र के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। इस मौके पर राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, एयरपोर्ट थाना प्रभारी संदीप बसेरा , रमेश तिजारिया, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, पदम बिलाला, जी सी जैन, मनोज सोगानी, दर्शन बाकलीवाल, चेतन जैन निमोडिया आदि ने श्रीफल भेट कर मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंच संचालन राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने किया। आभार मुख्य संयोजक अनुज जैन ने व्यक्त किया। इस मौके पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर 23 दिन वाला कमेटी की ओर से अध्यक्ष विनय लुहाड़िया एवं मंत्री विमल बाकलीवाल के नेतृत्व में मुनि श्री को अल्प प्रवास के लिए श्रीफल भेट किया गया। जैन कनेक्ट के अध्यक्ष एडवोकेट अंकुर पाटनी एवं महामंत्री अतीव जैन ने बताया कि सायंकाल 7.00 बजे राजा श्रेणिक परिवार एवं उपस्थित सैकडो श्रद्धालुओं द्वारा जिनेन्द्र देव की आरती के बाद मुनि श्री की भव्य आरती की गई। गुरु भक्ति के आयोजन के बाद प्रसिद्ध गायक सुभाष बज द्वारा पदमप्रभु चालीसा का पाठ, आध्यात्मिक एवं संदेशात्मक भजनों की प्रस्तुति दी गई। जयपुर से पूर्व पद्मपुराण पर आधारित जैन रामायण कथा संगीतमय का आयोजन मुम्बई, नागपुर, पटना सहित अन्य कई शहरों में किया जा चुका है। कथा के संगीतमय आयोजन के लिए कोल्हापुर महाराष्ट्र से संगीतकारों की टीम बुलाई गई है । इस मौके पर समाज श्रेष्ठी रमेश तिजारिया,महेश चांदवाड, दर्शन बाकलीवाल, चिन्तामणि बज, ज्ञान चन्द झांझरी, पदम भौंसा, मनीष बैद, योगेश टोडरका, हीरा चन्द बैद, सूर्य प्रकाश छाबड़ा, रामपाल जैन,रमेश गंगवाल,यशकमल अजमेरा, भारतभूषण जैन सहित बड़ी संख्या में गण मान्य लोग शामिल हुए। मुख्य संयोजक अनुज जैन ने बताया कि शनिवार , 24 मई को प्रातः 8.15 बजे से जैन रामायण कथा का व्याख्यान शुरू होगा। सायंकाल 7.00 बजे से मुनि श्री जयकीर्ति महाराज की संगीतमय आरती, गुरु भक्ति एवं भगवान पदम प्रभु का चालीसा पाठ किया जाएगा। महिला मण्डल की अध्यक्ष रेणू लुहाड़िया एवं मंत्री रानी सोगानी के मुताबिक रात्रि 8.00 बजे जैन धार्मिक हाऊजी का भव्य ज्ञानवर्धक आयोजन किया जाएगा।

विनोद जैन कोटखावदा
प्रदेश महामंत्री
राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप-स्वस्तिक द्वारा परिंडे लगाए गए

जयपुर. शाबाश इंडिया

इस भीषण गर्मी में प्यास बुझाने हेतु बेजुबान पक्षी इधर उधर पानी की तलाश हेतु घूमते रहते हैं या फिर पानी के अभाव में अकाल दम तोड़ देते हैं इन बेजुबान पक्षियों हेतू आज प्रातः 9.30 बजे सत्संग भवन, बापू नगर में परिंडे लगाये गये सर्वप्रथम अध्यक्ष सतीश बाकलीवाल ने अपने स्वागत उदबोधन में सभी पधारे लोगों का अभिनंदन किया विशेष तौर से दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन-राजस्थान रिजन से पधारे नव मनोनीत अध्यक्ष सुनील बज,कोषाध्यक्ष प्रमोद सोनी निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बड़जात्या तिलक, दुपट्टा, माल्यार्पण कर स्वागत किया गया रीजन अध्यक्ष सुनील बज ने इस प्रकार के कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की तथा भविष्य में भी जीव दया कार्यक्रम करने हेतु प्रेरित किया !निवर्तमान अध्यक्ष राजेश जी बड़जात्या ने स्वस्तिक ग्रुप के कार्यक्रमों की सराहना करते हुए ग्रुप अध्यक्ष सतीश जी बाकलीवाल को रीजन में उपाध्यक्ष बनाये जाने पर, ग्रुप मंत्री अजीत जी बड़जात्या को राष्ट्रीय निदेशक बनाये जाने पर, ग्रुप निदेशक अशोक जी जैन को सहसचिव एवं ग्रुप के संयुक्त मन्त्री विनय जी जैन छाबड़ा को प्रचार प्रसार मंत्री बनाये जाने पर उनका स्वागत-अभिनंदन किया। ग्रुप के संयोजक विनय जी जैन छाबड़ा ने पक्षियों की दुर्दशा उनके रखरखाव व परिंडो की महत्ता के बारे में चर्चा की। सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं ग्रुप के दंपति सदस्यों ने परिण्डे लगाए। अन्य समस्त ग्रुप सदस्यों के अलावा कोषाध्यक्ष राजकुमारी जैन, जीवदया मंत्री चेतन जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंत्री अजीत ज बड़जात्या द्वारा सभी पधारे पदाधिकारियों सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

शिव महापुराण कथा में सहयोग करने वाले समाज सेवियों का किया सम्मान, निकाली तिरंगा यात्रा...

जयपुर. शाबाश इंडिया

विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के तत्वावधान में आयोजित शिव महापुराण कथा में सहयोग करने वाले समाज सेवियों का उत्सव महेश्वरी भवन, सेक्टर 2, विद्याधर नगर में सम्मान किया गया। आयोजन समिति के सचिव एडवोकेट अनिल संत ने बताया कि आज की आमसभा में 1 मई से 7 मई तक भगवान शंकर के परम भक्त प्रसिद्ध कथा वाचक प्रदीप मिश्रा जी के द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा में जिन स्वयंसेवकों एवं समाज सेवियों ने तन, मन, धन से सेवा की है, उन सभी 500 से भी अधिक कार्यकर्ताओं का आयोजन समिति के द्वारा सम्मान किया गया। आम सभा में खर्च का लेखा जोखा किया पेश. ।इस अवसर पर आयोजित आम सभा में सीताराम जी की बगीची, सालासर बालाजी, पापड़ के हनुमान जी, देवास धाम, हाथोज धाम के पीठाधीश्वर बालमुकुंद आचार्य महाराज सहित अनेक साधु संतों एवं सैकड़ो समाज सेवियों की मौजूदगी में भंडारा, कलश यात्रा एवं शिव महापुराण कथा सहित अन्य खर्चो का लेखा-जोखा पेस किया गया। भारतीय वैज्ञानिकों एवं सेना के शौर्य और पराक्रम को समर्पित तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा को हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य एवं सुधीर अग्रवाल ने उत्सव माहेश्वरी भवन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा यात्रा उत्सव माहेश्वरी से रवाना होकर पूरे विद्याधर नगर में घूमते हुए वापस कार्यक्रम स्थल पहुंचीं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की तीनों सेनाओं के सामुहिक नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

समग्र जैन समाज के लिए व्हाट्सएप सेवा

मित्रों, हाल ही में हमें व्हाट्सएप पर एक बहुत ही अच्छी और निशुल्क सेवा के बारे में जानकारी मिली है, जो बहुत सरल, सहज और अत्यंत उपयोगी है।इस सेवा के माध्यम से आपको जैन धर्म से संबंधित विभिन्न धर्मशालाओं और भोजनशालाओं, जैन होस्टल्स, गुजराती समाजों, जैन उपाश्रयों, गौशालाओं, पांजरापोल तथा श्रीमद् राजचंद्रजी के आश्रमों, ब्लड ग्रुप डोनर्स की जानकारी प्राप्त हो सकती है।साथ ही, यदि आप जैन खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं, तो आपको जैन फूड सप्लायर्स की सूची भी प्राप्त होती है। जो भाई-बहन आर्थिक रूप से कमजोर हैं और घर से ही जैन खाद्य पदार्थ बनाते हैं, उनके नाम इस सूची में निशुल्क जोड़े जाते हैं।यह संपूर्ण सेवा 24x7 व्हाट्सएप ऑटो-रिप्लाई बॉट द्वारा निशुल्क प्रदान की जाती है। इस पूरी सेवा का खर्च ITDESK SOLUTIONS LLP के श्री निलेश मेहता द्वारा वहन किया जाता है।आपको केवल नीचे दिए गए अनुसार एक व्हाट्सएप संदेश लिखकर मोबाइल नंबर 7977228924 पर भेजना होगा, और उसकी जानकारी पल भर में आपके व्हाट्सएप पर मिल जाएगी।

#dharamshala : इस संदेश से आपको विभिन्न शहरों की सूची मिलेगी, जिनसे धर्मशालाओं की जानकारी उपलब्ध होगी।

#gs : इस संदेश से आपको विभिन्न शहरों की सूची मिलेगी, जिनसे गुजराती समाजों की जानकारी उपलब्ध होगी।

#sup : इस संदेश से आपको विभिन्न शहरों की सूची मिलेगी, जिनसे जैन स्थानकवासी उपाश्रयों की जानकारी मिलेगी।

#hostels : इस संदेश से आपको विभिन्न शहरों की सूची मिलेगी, जिनसे जैन होस्टलों की जानकारी उपलब्ध होगी।

#bg : इस संदेश से आपको विभिन्न शहरों की सूची मिलेगी, जिनसे ब्लड डोनर्स की जानकारी प्राप्त होगी।

#gaushala : इस संदेश से आपको विभिन्न शहरों की सूची मिलेगी, जिनसे गौशालाओं की जानकारी मिलेगी।

#panrapole : इस संदेश से आपको विभिन्न शहरों की सूची मिलेगी, जिनसे पांजरापोल की जानकारी मिलेगी।

#shrimad : इस संदेश से आपको विभिन्न शहरों की सूची मिलेगी, जिनसे श्रीमद् राजचंद्रजी के आश्रमों की जानकारी मिलेगी। यदि आपकी संस्था का नाम इस सूची में नहीं है, तो आप अपनी संस्था का नाम इसमें जुड़वा सकते हैं।लेकिन विशेष ध्यान देना होगा कि केवल सेवाभावी संस्थाएं ही निशुल्क नाम जोड़ सकती हैं।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: श्री निलेश मेहता - 7977228924

आरएमएससीएल की ओर से प्रदेशभर में चिकित्सा संस्थानों एवं औषधि भण्डार गृहों का निरीक्षण

राज्य स्तरीय टीमों ने जांचा लू-तापघात प्रबंधन, दवाओं की उपलब्धता और उपकरणों का रख-रखाव

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की ओर से दवा आपूर्ति प्रबंधन को सुदृढ़ रखने के उद्देश्य से प्रदेशभर में औषधि भण्डार गृहों एवं चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि के निर्देशन में किए जा रहे इन निरीक्षणों के तहत मुख्यालय से टीमें विभिन्न जिलों का दौरा कर औषधियों की उपलब्धता, लू तापघात प्रबंधन, ऑक्सीजन की उपलब्धता, उपकरणों का रख रखाव एवं विभागीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का सघन परीक्षण कर रही हैं। आरएमएससीएल जयपुर (मुख्यालय) के एडीसी मनोज धीर एवं रोशनलाल के द्वारा मेडिकल कॉलेज औषधि भण्डार केन्द्र, जोधपुर, जिला चिकित्सालय पावटा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बालेसर का सघन निरीक्षण किया गया। टीम ने पाली जिले के चिकित्सा संस्थानों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण दल को स्थानीय अधिकारियों ने जिला औषधि भण्डार में दवाओं की उपलब्धता, वितरण, वाक इन कूलर एवं अन्य व्यवस्थाओं से अवगत कराया। पाली में टीम ने बांगड अस्पताल के सब स्टोर, दवा वितरण केन्द्र एवं ऑक्सीजन आपूर्ति आदि का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा वितरण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, ऑक्सीजन प्लांट की क्रियाशीलता, लूकृतापघात प्रबंधन से संबंधित दवाओं की उपलब्धता सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आरएमएससीएल की कम्पनी सचिव ममता अग्रवाल एवं सहायक लेखाधिकारी कविता बैरवा द्वारा जिला अस्पताल सांगानेर जयपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कोटखावदा एवं जिला औषधि भण्डार गृह, जयपुर द्वितीय का सघन निरीक्षण किया गया। टीम ने हीटवेव से बचाव एवं उपचार के लिए बेहतर प्रबंधन बनाए रखने के साथ ही कार्मिकों को अलर्ट मोड और प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ काम करने के निर्देश दिए। दवा वितरण केंद्रों पर कार्यरत समस्त फार्मासिस्ट को दवा वितरण में किसी तरह की कमी नहीं रखने और दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता के संबंध में भी निर्देश दिए। अधिकारियों ने संस्थागत प्रसव, परिवार कल्याण कार्यक्रम, नियमित टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य गतिविधियों, विभागीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति के संबंध में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्धारित कार्य योजना अनुसार नियमित टीकाकरण तथा संस्थागत प्रसव के लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त करने हेतु सार्थक प्रयास करने के निर्देश दिए।

प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, ओजस्वीवक्ता पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने गौ सेवा रथ में किया गौग्रास

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। प्रखर राष्ट्रवादी विचारक, ओजस्वीवक्ता पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने गौ सेवा रथ में गौग्रास किया। संगठन के मीडिया प्रभारी पंकज आडवाणी ने बताया कि भीलवाड़ा प्रवास के दौरान राष्ट्रवादी विचारक पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने गौग्रास किया। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की जो अपने धर्म, संस्कृति और अस्तित्व पर विश्वास नहीं रखता, उसका कभी मंगल नहीं हो सकता। संरक्षक बिलेश्वर डाड ने बताया कि, उन्होंने अपने ओजस्वी विचार रखते हुए कहा कि राष्ट्र हित एवं सेवा कार्य में बिना डरे, बेझिझक सत्य बोलना चाहिए भले ही आपके निकट परिजन भी कुछ गलत करें, तो उसे कहने की सामर्थ्य और क्षमता युवाओं को दिखानी चाहिए। इस दौरान उन्होंने संगठन के कार्यों की भी प्रशंसा की एवं नवाचार के साथ कि जा रही गौसेवा को अतुलनीय बताया और कहा की युवाओं की इस बदलते भारत में आधुनिकता में चकाचौंध के अलावा एक ऐसी छवि भी भीलवाड़ा क्षेत्र में देखना एक सुखद अहसास है। इस अवसर पर स्वयंसेवक संघ के चांदमल सोमानी, सेवा भारती के सुनील सोमानी, सुशील गोयल, पुनीत सोमानी, सुनील शर्मा, शुभम सोनी, शुभांशु जैन, अक्षत पाराशर, विवेक, विशाल आदि उपस्थित थे।